भारत सरकार
महिला एवं बाल विकास मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1670
दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 को उत्तर के लिए

आगनवाड़ियों में नामांकन

1670. श्री कोथा प्रभाकर रेड्डी:

क्या **महिला और बाल विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या माता-पिता की धारणा कि शिक्षा से जीवन बेहतर होता है, के परिणामस्वरूप प्राथमिक विद्यालयों में नामांकन की दर नब्बे प्रतिशत तक पहुंच रही है जबकि आंगनवाड़ियों में शिक्षा के संबंध में माता-पिता की धारणा को नहीं समझने और उनकी मांग को भी पूरा न करने के कारण नामांकन/ उपस्थिति कम रहती है; और
(ख) यदि हां, तो क्या भारत के अग्रणी शिक्षकों द्वारा अनुशंसित विभिन्न राज्यों के लिए ईसीसीई पाठ्यक्रम इस आयु वर्ग के लिए स्थानीय भाषा संचालित और खेल आधारित शिक्षा शास्त्र पर ध्यान केन्द्रित करता है और यदि हो, तो तत्संबंधी ब्यौरा और वर्तमान स्थिति क्या है और इस संबंध में प्रस्तावित सुधारात्मक कदम क्या है?

उत्तर

श्रीमती स्मृति ज़ूबिन इरानी **महिला एवं बाल विकास मंत्री**

(क) और (ख) : प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा पूरे देश में स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से प्रदान की जा रही छः नि:शुल्क सेवाओं में से एक है। 30 जून, 2022 तक 3-6 वर्ष की आयु के 3.03 करोड़ बच्चों की आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से ईसीसीई तक पहुंच है।

विकास के लिए खेल आधारित, प्रयोगात्मक और बच्चों के अनुकूल दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए बच्चों के समग्र विकास का समर्थन करने के लिए सरकार द्वारा ईसीसीई के लिए राष्ट्रीय पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत, ईसीसीई तक सार्वभौमिक पहुंच के लिए शिक्षा के बेहतर माहौल के लिए आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत करने, उच्च गुणवत्ता अवसंरचना खिलौने और दक्ष प्रशिक्षित आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियों के साथ सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में ईसीसीई शुरू करने का प्रावधान है।

ईसीसीई के तहत प्राथमिकताओं में अच्छी गुणवत्ता वाले ईसीसीई पर माता-पिता को उन्मुख करने के लिए संचार रणनीति और सकारात्मक पालन-पोषण का महत्व शामिल है। ईसीसीई नीति माता-पिता के लिए प्रिंट और इलैक्ट्रॉनिक मीडिया माध्यम सहित मीडिया और अंतरव्यक्तिगत संचार रणनीतियों के उपयोग के माध्यम से मजबूत वकालत की पहलों की सिफारिश करता है। आंगनवाड़ी कार्यकर्त्रियां सोशल मीडिया प्लेटफार्म का उपयोग करके बच्चों के माता-पिता से जुड़ती हैं, घर का दौरा करती हैं और खेल के माध्यम से सीखेने की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए गतिविधियों के मासिक कलैंडर, गीतों के वीडियो, कहानियों और तुकबंदी जैसे संसाधनों को बच्चों के माता-पिता के साथ साझा करती हैं। वर्तमान ईसीसीई पाठ्यक्रम सामग्री खेल आधारित शिक्षा शास्त्र के साथ क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है।

पोषण माह 2022 के दौरान पोषण भी, पढ़ाई भी प्रमुख विषय था जिसने प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा के बारे में माता-पिता को जागरुक किया। पोषण भी पढ़ाई भी ने छह साल से कम उम्र के बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण स्कूल-पूर्व शिक्षा पर ध्यान देने का आवाहन किया जिसने बाल्यावस्था शिक्षा के बारे में माता-पिता को जागरुक किया। इस विषय के तहत प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करते हुए लगभग 81 लाख गतिविधियों का आयोजन किया गया। प्रारंभिक शिक्षा के लिए सामान्य संवेदीकरण के अलावा आंगनवाड़ी केंद्रों में सीखने के लिए स्वदेशी और स्थानीय रूप से उपलब्ध खिलौने के उपयोग और विकास को देशभर में बढ़ावा दिया गया।

3-6 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों के लिए आयु उपयुक्त पाठ्यक्रम की सिफारिश करने के लिए मंत्रालय द्वारा गठित विशेषज्ञ समिति ने अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है। पाठ्यक्रम का बल शुरूआती उत्प्रेरण (0-3 वर्ष) और प्रारंभिक बाल्यावस्था देखरेख और शिक्षा पर है।

*****